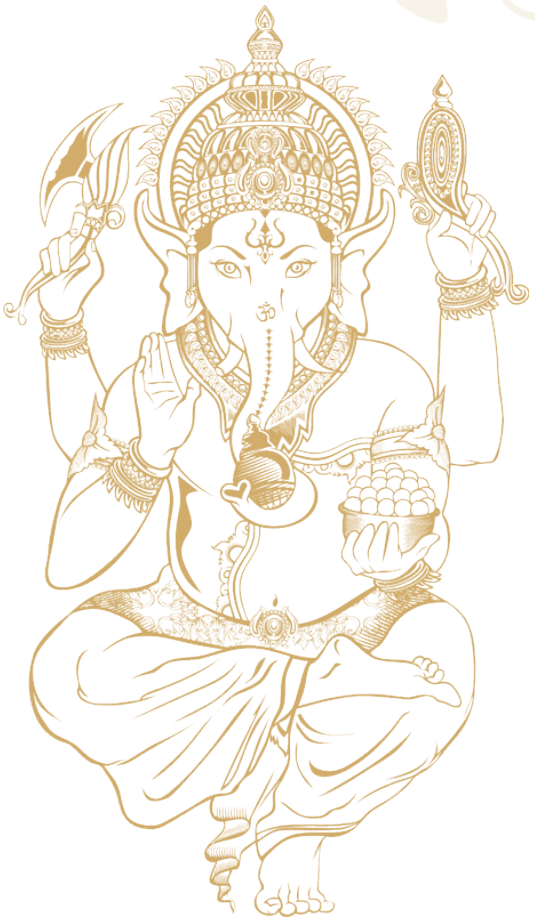

A

07 Feb 2024

02:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121906103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/02/2024**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:45:00 घंटे**
इष्ट	49:05:08 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:01 घंटे
साम्पातिक काल	11:29:54 घंटे
सूर्योदय	07:06:56 घंटे
सूर्यास्त	18:03:44 घंटे
दिनमान	10:56:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:22:36 मकर
लग्न के अंश	17:00:29 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	17:00:29	311:26:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			मक	23:22:36	01:00:50	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	11:08:38	14:09:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मक	00:55:31	00:45:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध			मक	08:23:22	01:33:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु			मेष	13:44:27	00:07:08	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	23:42:38	01:14:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			कुंभ	12:55:52	00:07:03	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	23:25:25	00:08:18	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	23:25:25	00:08:18	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	24:56:42	00:00:33	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	01:45:12	00:01:53	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	06:20:56	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			सिंह	27:36:50	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:33

लग्न-चलित

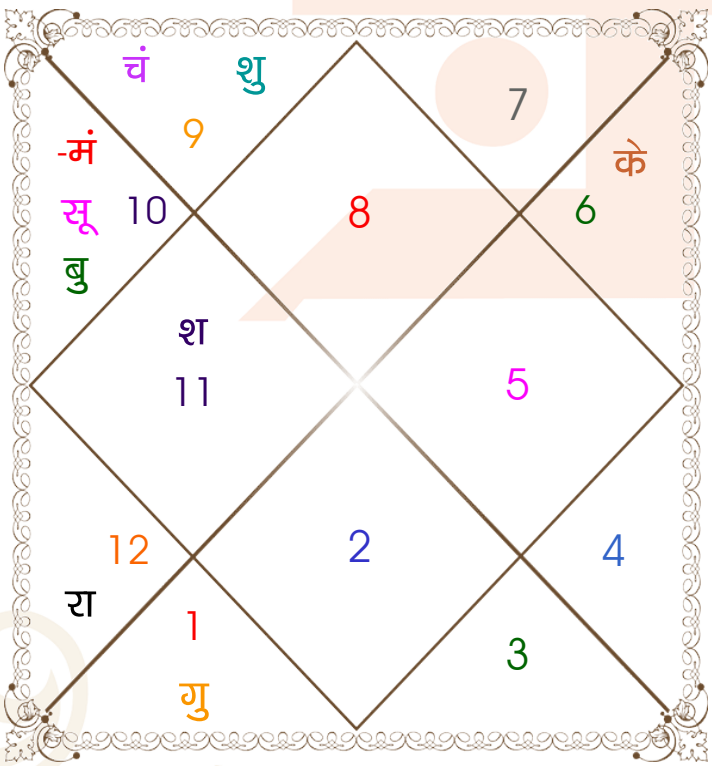

चन्द्र कुंडली

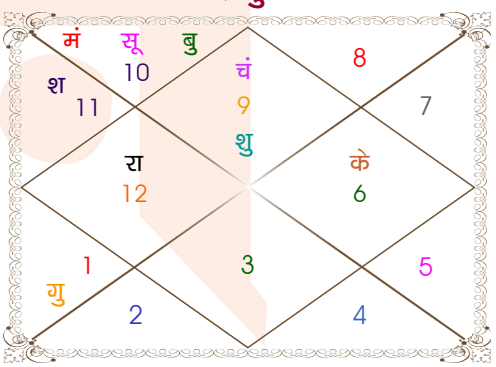

नवमांश कुंडली

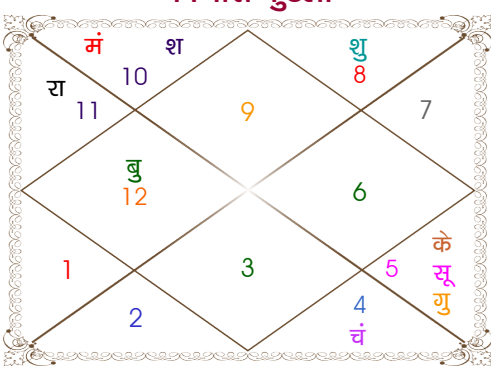

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/02/2024		01/04/2025		01/04/2045		02/04/2051		01/04/2061	
01/04/2025		01/04/2045		02/04/2051		01/04/2061		01/04/2068	
	00/00/0000	शुक्र	01/08/2028	सूर्य	20/07/2045	चंद्र	31/01/2052	मंगल	29/08/2061
	00/00/0000	सूर्य	01/08/2029	चंद्र	19/01/2046	मंगल	31/08/2052	राहु	16/09/2062
	00/00/0000	चंद्र	02/04/2031	मंगल	26/05/2046	राहु	02/03/2054	गुरु	23/08/2063
	00/00/0000	मंगल	01/06/2032	राहु	20/04/2047	गुरु	02/07/2055	शनि	01/10/2064
	00/00/0000	राहु	02/06/2035	गुरु	06/02/2048	शनि	31/01/2057	बुध	28/09/2065
	00/00/0000	गुरु	31/01/2038	शनि	18/01/2049	बुध	02/07/2058	केतु	24/02/2066
	07/02/2024	शनि	01/04/2041	बुध	25/11/2049	केतु	31/01/2059	शुक्र	26/04/2067
शनि	04/04/2024	बुध	31/01/2044	केतु	02/04/2050	शुक्र	01/10/2060	सूर्य	01/09/2067
बुध	01/04/2025	केतु	01/04/2045	शुक्र	02/04/2051	सूर्य	01/04/2061	चंद्र	01/04/2068

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/04/2068		02/04/2086		03/04/2102		02/04/2121		03/04/2138	
02/04/2086		03/04/2102		02/04/2121		03/04/2138		00/00/0000	
राहु	13/12/2070	गुरु	20/05/2088	शनि	05/04/2105	बुध	30/08/2123	केतु	30/08/2138
गुरु	08/05/2073	शनि	01/12/2090	बुध	15/12/2107	केतु	26/08/2124	शुक्र	30/10/2139
शनि	14/03/2076	बुध	08/03/2093	केतु	22/01/2109	शुक्र	27/06/2127	सूर्य	06/03/2140
बुध	01/10/2078	केतु	12/02/2094	शुक्र	24/03/2112	सूर्य	03/05/2128	चंद्र	05/10/2140
केतु	20/10/2079	शुक्र	13/10/2096	सूर्य	06/03/2113	चंद्र	02/10/2129	मंगल	03/03/2141
शुक्र	20/10/2082	सूर्य	01/08/2097	चंद्र	05/10/2114	मंगल	29/09/2130	राहु	22/03/2142
सूर्य	13/09/2083	चंद्र	01/12/2098	मंगल	14/11/2115	राहु	18/04/2133	गुरु	25/02/2143
चंद्र	14/03/2085	मंगल	07/11/2099	राहु	20/09/2118	गुरु	25/07/2135	शनि	08/02/2144
मंगल	02/04/2086	राहु	03/04/2102	गुरु	02/04/2121	शनि	03/04/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 1 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।